निर्वाण कलिका (फोल्डर नं. ००१५६०)

मुख्य टाइटल

भूमिका--१

निर्वाणकलिकाविषयानुक्रमः --५

Nirvana-Kalika -- 1

Introduction -- 1

Contents --- 1

Daily Worship and Its Nature -- 2

Diksha Vidhi And Acharyabhisheka -- 3

Tantrika Influece -- 3

Vastu Ceremony--- 4

Points for Antiquarians -- 5

Vajraswami & Padliptacharya -- 6

3 Periods of Jaina Literature after Agams --- 6

Period of Logicians--- 6

Period of Commentators--- 7

When Did the Jains Commence Writing Works in Books ----------------------------------- 7

Divisions of Shwetambars and Digambars -- 8

Gathas From Lost Agams --- 8

Haribhadra's Bimba-Pratistha-Vidhi -- 9

Style --- 9

Life of Padlipta -- 9

Padlipta Suri's Other Works ---12

Palitana & Vira Stuti ---13

GathaSapta-Shati --14

References to Padlipta--15

Date of Pad-Lipta Suri---16

Kings Contemporary with Padlipta---18

Palitta-Suri & Palitana---19

Conclusion --20

निर्वाणकलिका--१

१. मङ्गलाचरणम्---१

ग्रन्थमूलभूतस्य जिनागमस्योल्लेखः---१

२. नित्यकर्मविधिः ---१

उपासकदेहशुद्धिः---१

द्वारपूजा---१

पूजागृहप्रवेशः --१

भौमादिविघ्ननिरासः---१

आसनपूजा ---१

पूजागृहसंरक्षणम्--१

द्विविधः करन्यास---१

भूतशुद्धिः ---२

मान्त्रिकस्नानम्---२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

त्रिविधोङ्गन्यासः ---२
सिद्धमातृकान्यासरूपं मन्त्रमयंकवचम् --२
पञ्चविधशुद्धिः ---२
स्थानशुद्धिः --२
आत्माभिषेकः --२
आत्मशुद्धिः ---२
द्रव्यशुद्धिः---२
मन्त्रशुद्धिः --२
देवशुद्धिः --२
सामान्येनजिनपूजा --३
गुरुपूजा --३
चतुर्मुखदिव्यसिंहासनपूजा--३
अर्हन्मूर्तिन्यासः--३
सिद्धादिमूर्तिन्यासः--३
ज्ञानशक्त्यादिसहिताहन्मूर्तिन्यासः --३
विद्यादेहन्यासः---३
आवाहनादिकं---३
मुद्रादर्शनं, देवस्नानादिविधिः--३
पञ्चपरमेष्ठियंतर्पूजा --३
आरात्रिकं-मङ्गलदीपः --४
नित्यनैमित्तिकाभिचारिकभेदेन त्रिविधो जापः---४
शान्तिपाठेन जपपूजादिनिवेदनम्---४
निर्मनस्कयौकिध्यानम् ---४
यन्त्रपूजा अष्टमूर्तिपूजा --४
गृहदेवतापूजा---४
बलिविधानम्---५
३. दीक्षाविधिः ---५
गृहस्थमान्त्रिकदीक्षा ---६
सर्वतोभद्रमण्डलनिरूपणम्--६
अष्टसमयादिधारणं ---७
४. आचार्याभिषेकः---७
मण्डपवर्णनम् वेदिकावर्णनम् --७
अष्टविधकुम्भवर्णनम् ---८
अष्टविधशङ्खवर्णनम् मण्डपालङ्कार ---८
अनुयोगानुज्ञानार्थं नन्दिपाठः-- ९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आचार्याभिषेके राजाङ्गानि शिबिकादीनि --९
यथाकामं अभिषेककर्मकथनम्---९
तोरणप्रकारस्वरूपभेदोपभेदवर्णनमं---९
५ भूपरीक्षा-भूमिपरिग्रहश्च --१०
शल्यशोधननवार्णचक्रम् ---१०
६ शिलान्यासविधिः --११
वास्तुपूजनम् --११
७ प्रतिष्ठाविधिः---११
शिल्पीन्द्राचार्यगुणवर्णनम्---११
अधिवासनामण्डपः स्नानमण्डपः --११
तोरणपताकादिमण्डपालंकारवर्णनम्---११
८ पादप्रतिष्ठा प्रथमा--१२
पञ्चविधशिलाकुम्भस्नानादिवर्णनम् ---१३
नवविधशिलाकुम्भस्नानादिवर्णनम्---१३
९. द्वारप्रतिष्ठा द्वितीया ---१३
१० बिम्बप्रतिष्ठा तृतीया--१४
कारकसमूहः ---१४
क्षेत्रशुद्धिः आत्मरक्षा आगमगाथा ---१४
भूतबलिमन्त्रः --१५
सकलीकरणम्--१५
दिग्बन्धमन्त्रः---१५
बिम्बस्नानविधिः ---१५
नन्दावर्तमण्डलनिरूपणम् आगमगाथा --१५
नन्दावर्तमण्डलपूजाविधिः ---१७
अधिवासनविद्याद्वयम् --२१
सौभाग्यविद्या --२१
सहजगुणस्थापनम्---२१
अधिवासनाविधिः आगमगाथाः ---२१
जिनबलिनिरूपणम् आगमगाथाः ---२१
निर्म्रक्षणण् आगमगाथाः --२२
आरत्रिकं-मङ्गलदीपः आगमगाथआः---२२
चैत्यवन्दनाधिवासनादिदेवानां कायोत्सर्गः आगमगाथा--२२
अञ्जनशलाकाविधिः आगमगाथा ---२२
कर्मक्षयोत्पन्नैकादशादिशयस्थापनम्---२२
प्रतिष्ठामन्त्रेण प्रतिष्ठाविधिः---२३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सुरकृतातिशयप्रातिहार्ययक्षयक्षेश्वर्यारिस्थापनम् -- २३
निर्म्रक्षणारात्रिकप्रतिष्ठादिदेवताकायोत्सर्गः आगमगाथाः -- २४
शान्तिबलिमन्त्रः -- २५
संघपूजा आगमगाथाः -- २६
अष्टाह्निका वा त्र्यहिकामहोत्सवः आगमगाथा --- २६
विसर्जनम् -- २७
वर्षान्तेदीर्घायुर्ग्रन्थिबन्धनम्-- २७
प्रतिष्ठास्तुतौ आगमगाथाः --- २७
लेपादिकाचलबिम्बप्रतिष्ठाविधिः --- २७
समस्तवैयावृत्यानां अधिवासनाप्रतिष्ठा सौभाग्यमन्त्रः-- २८
सरस्वतीमणिभद्रब्रह्मशान्त्यिम्बिकाप्रतिष्ठामन्त्राः -- २८
११. हृत्प्रतिष्ठाचतुर्थी -- २९
१२ चूलिकाप्रतिष्ठा -- २९
१३ चूलिकाकलशध्वजधर्मचक्रप्रतिष्ठा --- २९
१४ वेदिकालक्षणण् --- ३०
१५ जीर्णोद्धारविधिः -- ३०
१६ प्रतिष्ठोपयोगिमुद्राविधिः --- ३१
१७ प्रायश्चित्तविधिः--- ३३
पञ्चविधनिर्माल्यकथनेदेवद्रव्यनिरूपणम् --- ३३
१८. अर्हदादीनां वर्णादिक्रमः -- ३४
तीर्थंकराणां जन्मराशिनक्षत्रवर्णनम्--- ३४
क्षयक्षिणीस्वरूपायुधवर्णनम्--- ३४
श्रुतदेवता-शान्तिदेवता-षोडशविद्यादेवीनां स्वरूपायुधादिवर्णनम्--------------------------------------- ३५
१९. दशदिक्पालस्वरूपायुधादिवर्णनम्-- ३८
२०. नवग्रहस्वरूपायुधादिवर्णनम् --- ३८
२१. ब्रह्मशान्ति-क्षेत्रपालस्वरूपायुधादिवर्णनम्--- ३८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org